लूना चमारी साधना

लूना चमारी इस नाम से साबर मंत्रो के उपासक अच्छी तरह परिचित होंगे!यह साधना साबर साधनायो में विशेष स्थान रखती है!इस साधना को करने के बाद व्यक्ति किसी भी बड़ी से बड़ी समस्या को दूर कर सकता है!मैंने इस साधना का कई बार प्रयोग किया है!एक बार की बात है मै और मेरे कुछ दोस्त छत पर पतंग उड़ा रहे थे!मुझे ज्यादा पतंग उड़ानी नहीं आती थी!मेरे एक दोस्त ने कहा उडाएगा पतंग मैने कहा नहीं,मेरा एक दोस्त बोला रहने दे मूरखो का काम नहीं है पतंग उड़ाना!यह सुनकर मैने उनसे कहा शर्त लगाओ सबकी पतंग अभी काट दूंगा!उन्होंने कहा लग गयी 100 रुपये की शर्त एक भी पतंग काट देगा तो मान जायेगे! मैने सदगुरुदेव सिद्ध रक्खा रामजी का स्मरण किया और प्रार्थना की और लूना चमारी का मन्त्र सात बार पढ़कर पतंग पर फूक मारदी और कह दिया ऐ लूना चमारी मेरी चलायी हुयी न चलना मेरे गुरुदेव की चलाई हुयी चलना!मेरे गुरुदेव को मानकर गुरु गद्दी को मानकर सबकी पतंग काट दो!जब मैने पतंग चढ़ाई तो सबकी पतंग कट गयी और मै शर्त जीत गया!इसी प्रकार एक बार एक पंडित जी घुमते हुए हमारे घर की

तरफ आये वे पंडीत जी बिना पूछे सब कुछ बता रहे थे!मै तब छोटा था और मुझे इतनी समझ नहीं थी!जब वे पंडीत जी बता रहे थे तो मुझे एक व्यक्ति उनके पास खड़ा नज़र आ रहा था जो उन्हें सब कुछ बता रहा था!मै मन में सोचने लगा यह कौन हो सकता है!मैने सोचा कोई प्रेत है!मैने उन पंडीत जी के मुह पर ही कह दिया!आपको प्रेत सिद्ध है क्या?पंडीत जी गुस्से में आ गए और कहने लगे तू जानता क्या है मुझे अभी बता!मै बहुत छोटा था!सातवी क्लास में पढता था!मैने कहा मुझे बहुत से मन्त्र आते है!उन्होंने कहा बोलकर दिखाओ!मैने साबर मन्त्र बोलने शुरू कर दिए उन्होंने कहा यह भी कोई मन्त्र है!यह तो साधारण मन्त्र है,इन मंत्रो से कुछ नहीं होता!इतना कहकर वो पंडीत जी चले गए!मैने गुरुदेव का स्मरण कर लूना चमारी मन्त्र जपकर कहा इस आदमी को अभी बांध दो और इतना कहकर उनके पैरों के निशानों को अपने पैरों से दबा दिया!जब मैने उनके निशान दबाये तो वो पंडीत जी नीचे गिर गए और तड़पने लगे!यह घटना चंडीगढ़ के सेक्टर 29 की है!आप अगर चाहे तो पता करवा सकते है!वहां कुछ औरतों ने मुझे समझाया और कहा वो मर जायेगा तब मैंने पंडित जी के पैरों के निशान से पैर हटा लिए!वो पंडितजी रोने लगे और कहा मुझे माफ़ करो मै तो छोटा सा पंडीत हूँ!अपना परिवार पाल रहा हूँ!मेरे जीवन की वो सबसे बुरी घटना थी!आज भी मै अपनी उस करतूत के लिए ईश्वर से माफ़ी मांगता हूँ!सारा जीवन मुझे इस बात का पछतावा रहेगा!मेरे एक मित्र को किसी लड़की ने थप्पड़ मार दिया!उसने मुझसे कहा मै किसी को मुह दिखाने के काबिल नहीं रहा तू मेरा दोस्त है क्या मेरे लिए कुछ कर सकता है!

मैने कहा सात प्रकार की मिठाई लेकर आ अभी उस लड़की को तेरे वश में कर देता हूँ!वो मिठाई ले आया मैने गुरुदेव का ध्यान किया और सात बार मन्त्र पढ़कर उस मिठाई को उजाड़ स्थान में रख दिया और देवी से कहा इन दोनों को मिला दो!दो तीन दिन बाद उन दोनों की मित्रता हो गयी!कुछ दिनों बाद वो लड़की एक रोड एक्सिडेंट में मर गयी!वो लड़का बहुत रोया फिर वो लड़की मरने के बाद उस लड़के से मिलने आने लगी!रात को उस लड़के का वीर्यपात हो जाता और वो लड़का बहुत कमजोर हो गया पर उसने यह बात किसी को नहीं बताई! पंजाब के जिला फतेह्गड़ की तहसील खमाणों के गाँव हैड़ों में गोगा जाहरवीर का माड़ी थी!(जाहरवीर बाबा के मंदिर को माडी कहते है) वहां जो भक्त थे वो बहुत पहुंचे हुए थे!जब भक्त पर नाहरसिंह वीर की सवारी आई तो उन्होंने उस लड़के को आवाज़ मार कर बुलाया और कहा तुम्हारे पास रात में वो लड़की आती है जिसको तुमने अपने वश में किया था!यह सुनकर वो लड़का रोने लगा और बाबाजी से माफ़ी मांगने लगा!उस लड़के के माता पिता ने भी बाबाजी से प्रार्थना की,मुझे बहुत डर लग रहा था क्योंकि सारा किया धरा तो मेरा ही था!मै मन ही मन अपने गुरुदेव और जाहरवीर बाबा से प्रार्थना कर रहा था कि मेरा नाम न आये नहीं तो सब लोग मुझे ही दोष देंगे!उनकी प्रार्थना सुनकर बाबाजी को रहम आ गया उन्होंने कहा जा आज के बाद वो तुझे नहीं सताएगी!आज वो लड़का तंदरुस्त है!जब मै गुरुदेव से मिला तो मेरे गुरुदेव ने कहा तेरी हर एक हरकत पर मेरी नज़र है!अब बचपना छोड़ दे और मोक्ष की राह पर चल!मैने कहा गुरुदेव जब आपको पता था तो आपने उस बेचारे का इलाज

क्यों नहीं किया!गुरुदेव ने कहा इस दुनिया में राम आये बाबा नानक जी आये सारी दुनिया को तो वो भी सुखी नहीं कर पाए क्योंकि यह दुनिया अपने कर्मो से ही दुखी है!उसने जो कर्म किया था उसका फल उसे भोगना ही था!मैने कहा गुरूजी उस पाप कर्म में मै भी उसका सहयोगी था तो मुझे क्या दंड मिलेगा और उस पाप के फल से बचने के लिए क्या उपाय करू!गुरुदेव ने कहा तेरी उस पाप में कोई आसक्ति नहीं थी और न तुझे उस पाप से किसी प्रकार की लाभ या हानि तक मतलब था!जिस प्रकार राजा की आज्ञा से यदि फ़ौज किसी पर आक्रमण करती है तो दोष राजा को लगता है फ़ौज को नहीं,उसी प्रकार तू इस पाप में बहुत कम दोषी है!इस पाप का दोष नष्ट करने के

लिए हररोज तीन महीने तक लगातार गंगा जल से भगवान शिव का अभिषेक कर और पाप नाश के लिए शिव से प्रार्थना कर!गुरुदेव ने कहा इस मन्त्र का प्रभाव मृत्यु के बाद भी खत्म नहीं होता इसलिए इसका इस्तेमाल बहुत कम करना चाहिए!गुरुदेव के अनुसार लूना चमारी कई प्रकार की है!एक लूना चमारी पंजाब के जिला अमृतसर के गाँव चमार की रहने वाली थी!वे बहुत बड़ी जादूगरनी थी!उस लूना चमारी का प्रभाव अलग है!वे मंत्रो को गति देती है मतलब उनकी दुहाई देने से मन्त्र जाग जाते है!दूसरी लूना चमारी उतर प्रदेश के जिला सुल्तानपुर के एक ठाकुर की पत्नी थी!वे भी बहुत बड़ी तांत्रिक थी!एक बार पति से झगड़कर उसने नदी में कूदकर प्राण त्याग दिए!जब लूना चमारी की आत्मिक शांति के लिए गरीबो को भोजन खिलाया गया तो जिस जिस ने भोजन खाया वे लूना लूना कह कर चिल्लाने लगा!जब तांत्रिको को बुलाया गया तो लूना ने कहा जिस जगह मेरी मौत हुयी है उस जगह नदी में कश्ती चलाने वाले मल्लाह मेरे नाम से एक कील अपनी कश्ती में लगायेंगे और जिस प्रकार ख्वाजा जी की पूजा करते है उसी प्रकार मेरी पूजा भी करेंगे!सब लोगो ने लूना की बात मानली और लूना को तांत्रिक इस्तेमाल करने लगे!एक लूना चमारी राजस्थान के ददरेवा की रहने वाली थी!यह गोगा जाहरवीर की माता वाशल की दासी थी!गोगा जाहरवीर इन्हें भी अपनी माँ मानते थे!यह जाति से चमार थी इसलिए इन्हें लूना चमारी कहा जाता था!इनका एक पुत्र था जिसका नाम भज्जू कोतवाल था!यह बाबा जाहरवीर के दरवार में कोतवाल की नौकरी करते थे!यदि इन्हें सिद्ध कर लिया जाये या इनकी दुहाई दी जाये तो जाहरवीर बाबा भी जाग्रत हो जाते है!इन लूना चमारी की पूजा राजस्थान में होती है और इन्हें गुरु गोरखनाथ की शिष्या माना जाता है!एक लूना चमारी कामरूप कामख्या में पूजी जाती है!इन्हें इस्माइल योगी की शिष्या माना जाता है और इन्हें लूना योगन भी कहा जाता है!सबसे ज्यादा पूजा इन्ही की होती है!इन में से तीन प्रकार की लूना चमारी सिद्ध की जाती है

केवल अमृतसर वाली लूना चमारी को सिद्ध करने की आवश्यकता नहीं है केवल गुरुदेव के वचनों से ही उनकी सिद्धि मिल जाती है! सदगुरुदेव सिद्ध रक्खा रामजी की कृपा से मुझे चारों प्रकार की लूना सिद्ध है!मै यहाँ पर कामरूप में पूजी जाने वाली लूना की साधना दे रहा हूँ!एक बार जरूर करे और चमत्कार देखे!इस सिद्धि से आप कोई भी कार्य कर सकते है!

मन्त्र ::- घटा में सरुस्ती पंजा गुर उस्ताद पीर का,

रव्वे मान पे यकीन,

कौरू देश की चौमखिया देवी,

उसने विजी फुलवाड़ी,

चुग ले गयी लूना चमारी,

हमारी बुलाई ना आवे,

तां हनुमान दे पोले खावे,

आवा तां तद ये छड्डे घरवाला सिर दा साईं!

विधि::-इस मन्त्र को रात को दस वजे सवा दो घंटे जपे!अपने सामने तेल का एक दीपक

जलाये!कपडे कोई भी पहन सकते है!आसन कोई भी इस्तेमाल कर सकते है!किसी भी

दिन से इस साधना को शुरू कर सकते है!जिस दिन शुरू करे उस दिन और अंतिम दिन

दो लड्डू,एक मीठा पान,दो लौंग,दो इलाइची छोटी और सात प्रकार की मिठाई अपने सामने रखे दुसरे दिन उजाड़ स्थान में सारी सामग्री रख आये!यह क्रिया आपको ४१ दिन करनी है!आसन जाप करने के बाद शरीर कीलन मन्त्र जपे फिर गुरु पूजन और गणेश पूजन करे और जप शुरू कर दे!

प्रयोग विधि::- जब इस्तेमाल करना हो तो इस मन्त्र का सात बार जप करे और अपनी इच्छा लूना चमारी से बोल दे आपकी इच्छा पूरी हो जाएगी!काम होने के बाद उनकी पूजा उजाड़ स्थान में जरूर दे!यह मेरा अनुभूत मन्त्र है!एक बार जरूर करे!

जय सदगुरुदेव!